MoEFCC ने स्वायत्त निकायों के विलय का फैसला वापस लिया

प्रिलिम्स के लिये:

भारतीय वन सर्वेक्षण, राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण, वन्यजीव अपराध नियंत्रण ब्यूरो, केंद्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण, प्रोजेक्ट टाइगर, प्रोजेक्ट एलीफेंट, **वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972**

मेन्स के लिये:

पर्यावरण संरक्षण संगठन और संबंधित चिंताएँ

चर्चा में क्यों?

हाल ही में पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (Ministry of Environment, Forests and Climate Change- MoEFCC) ने प्रमुख पर्यावरण निकायों के विलय द्वारा **एकीकृत क्षेत्रीय कार्यालय** की स्थापना के फैसले को वापस ले लिया है।

MoEFCC का प्रारंभिक प्रस्ताव:

- **प्रस्ताव:**
  - इस कदम का लक्ष्य एकीकृत अधिकार के माध्यम से इन संगठनों का **सुव्यवस्थित संचालन करना** था।
  - कोविड-19 लॉकडाउन के दौरान घोषित प्रारंभिक योजना का उद्देश्य **भारतीय वन सर्वेक्षण, राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण,** वन्यजीव अपराध नियंत्रण ब्यूरो और **केंद्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण** को एक एकीकृत संरचना के तहत पुनर्गठित करना था।
- **आलोचना:**
  - यह इन **निकायों (जिनकी पर्यावरण प्रशासन में अलग-अलग जनादेश और भूमिकाएँ हैं) की स्वतंत्रता और अधिकार को कमज़ोर** कर सकता है।
  - चूँकि इन निकायों की रिपोर्टिंग संरचनाएँ और क्षेत्राधिकार अलग-अलग हैं, ऐसे में **इस कदम से प्रशासनिक भ्रांतियाँ और अव्यवस्था उत्पन्न हो सकती** है।
  - इससे उनके **काम की गुणवत्ता और विश्वसनीयता से समझौता** किया जा सकता है, क्योंकि वे MoEFCC के राजनीतिक हस्तक्षेप और दबाव के अधीन होंगे।
  - यह इन **निकायों के फोकस क्षेत्र और विशेषज्ञता को कमज़ोर कर** देगा, जिनके **अपने संबंधित क्षेत्रों में विशेष कार्य और कौशल** हैं।
- **निर्णय में परिवर्तन:**
  - MoEFCC की हालिया अधिसूचना ने **न केवल विलय योजना को रद्द कर दिया** बल्कि **मौजूदा क्षेत्रीय कार्यालयों को पुनर्व्यवस्थित करने** का सुझाव दिया,जिसके कारण इस योजना को आलोचना का भी सामना करना पड़ रहा है।
    - उदाहरण के लिये बंगलूरू क्षेत्रीय कार्यालय के पास अलग-अलग भौगोलिक और पर्यावरणीय स्थिति वाले तीन राज्यों तथा एक केंद्रशासित प्रदेश **कर्नाटक, केरल, गोवा एवं लक्षद्वीप** का अधिकार क्षेत्र होगा।
    - प्रोजेक्ट टाइगर और प्रोजेक्ट एलीफेंट के विलय की हालिया योजना को लेकर भी चिंता व्यक्त की गई, जो इन पहलों की स्वायत्तता और महत्त्व को प्रभावित कर सकता है।

- **भारतीय वन सर्वेक्षण (FSI):**
  - यह एक सरकारी एजेंसी है जिसकी ज़िम्मेदारी वन सर्वेक्षण, मूल्यांकन और संबंधित अनुसंधान करना है।
  - FSI ने **"वन संसाधनों का निवेश पूर्व सर्वेक्षण" (PISFR)** का स्थान लिया है, जो **FAO और UNDP** की सहायता से **वर्ष 1965** में भारत सरकार द्वारा शुरू की गई एक पहल थी।
  - भारत राज्य वन रिपोर्ट (ISFR) FSI का द्विवार्षिक प्रकाशन है।
- **राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण:**
  - यह **टाइगर टास्क फोर्स की सिफारिश** के बाद दिसंबर 2005 में वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 के तहत स्थापित एक वैधानिक निकाय है।

    - यह **प्रोजेक्ट टाइगर और भारत** के [टाइगर रिज़र्व](#) के प्रबंधन के लिये ज़िम्मेदार है।
    - **केंद्रीय पर्यावरण मंत्री NTCA का अध्यक्ष** है और राज्य पर्यावरण मंत्री इसका उपाध्यक्ष है।
- **वन्यजीव अपराध नियंत्रण ब्यूरो (Wildlife Crime Control Bureau):**
    - यह **देश में संगठित वन्यजीव अपराध से निपटने हेतु** स्थापित एक वैधानिक बहु-विषयक निकाय **(WPA 1972)** है।
    - ब्यूरो का मुख्यालय नई दिल्ली में है। यह **राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय प्रभाव वाले वन्यजीव अपराधों,** प्रासंगिक नीति और कानूनों से संबंधित मुद्दों पर भारत सरकार को सलाह देता है।
    - इसके अतिरिक्त यह **[EXIM नीति](#), [CITES](#)** और **वन्य जीवन संरक्षण अधिनियम (Wild Life Protection Act)** द्वारा निर्धारित नियमों के अनुसार वनस्पतियों एवं जीवों की खेप के निरीक्षण के दौरान **सीमा शुल्क** अधिकारियों का समर्थन और परामर्श देता है।
- **केंद्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण:**
    - यह **भारत में चिड़ियाघरों के कामकाज़ के विनियमन तथा निगरानी करने** और इसके द्वारा निर्धारित मानकों एवं मानदंडों के अनुपालन को सुनिश्चित करने के लिये एक वैधानिक निकाय **(WPA 1972)** भी है।
    - मान्यता प्रदान करने के प्राथमिक कार्य के अलावा CZA **चिड़ियाघरों के बीच वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम [Wildlife (Protection) Act], 1972 की अनुसूची- I और II के तहत सूचीबद्ध लुप्तप्राय श्रेणी के जानवरों के आदान-प्रदान** को भी नियंत्रित करता है।
    - पर्यावरण मंत्री (Environment Minister) CZA का अध्यक्ष है।

UPSC सिविल सेवा परीक्षा, विगत वर्ष के प्रश्न

??????????:

प्रश्न. निम्नलिखित बाघ आरक्षित क्षेत्रों में "क्रांतिक बाघ आवास (Critical Tiger Habitat)" के अंतर्गत सबसे बड़ा क्षेत्र किसके पास है? (2020)

(a) कॉर्बेट
(b) रणथम्बौर
(c) नागार्जुनसागर-श्रीसैलम
(d) सुंदरबन

उत्तर: (c)

??????:

प्रश्न. "विभिन्न प्रतियोगी क्षेत्रों और साझेदारों के मध्य नीतिगत विरोधाभासों के परिणामस्वरूप पर्यावरण के 'संरक्षण तथा उसके निम्नीकरण की रोकथाम' अपर्याप्त रही है।" सुसंगत उदाहरणों सहित टिप्पणी कीजिये। (2018)

[स्रोत: द हिंदू](#)

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/moefcc-reverses-decision-to-merge-autonomous-bodies